

DPN 6139

Title: वसुंधरा व्रत विधि VASUNDHARĀ VRATA & VIDHI

Run. No. 6830

Cat. No.

Micro. No.

Subject विधि / Religious Ritual

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. ✓ New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 20.5 x 7

Folios 16

Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

फणीन्द्र रत्न वज्राचार्य

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Phaniendra Ratna Vajracarya

Script : New. ✓ / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thya saphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Dark & dim

Beginning, colophon, post-colophon :

टिप्पणी : ग्राम वासुध रत्न का: दये के
वचने न सु

Remark : Broken statement

texts elsewhere.

Carya songs also included.

ॐ नमो अमोघपाद्म सेकनाभायः ॥ धन योगात्मिन योगेन्द्रः आपन आय ॥
सिद्धादि ~~colophon~~ — इति वसुंधारा धर्म विधि समाप्त ॥

सालमहर्षि २४ वसुचारा चरित्र विधि

कराति दुरात वं ज्ञाचा म

उं श्राव सुखलाय नमः स्वाहा ॥ उं श्राव सुखलाय नमः स्वाहा ॥
 यं वज्रं यथा यतिः स्वाहा ॥ **१५** उं श्राव सुखलाय नमः स्वाहा ॥
 तं स्वाहा ॥ **१६** उं श्राव सुखलाय नमः स्वाहा ॥ **१७** उं श्राव सुखलाय नमः स्वाहा ॥
 श्राव सुखलाय नमः स्वाहा ॥ **१८** उं श्राव सुखलाय नमः स्वाहा ॥ **१९** उं श्राव सुखलाय नमः स्वाहा ॥
 वज्रं नमः ॥ **२०** उं श्राव सुखलाय नमः स्वाहा ॥ **२१** उं श्राव सुखलाय नमः स्वाहा ॥
 स ॥ **२२** उं श्राव सुखलाय नमः स्वाहा ॥ **२३** उं श्राव सुखलाय नमः स्वाहा ॥

गुरुयस्वस्वाहा ॥ खनथं थूक नमः ॥ उं स व स थ स्व हा ॥ ज व थं थूक न
 स ॥ उं व लु का न म स्व हा ॥ ज व का थूक नमः ॥ यि थू न लु ल स थ म व म
 उं श्री मा नि रु द्रा य स्व हा ॥ उ व न ॥ उं श्री य व र सा द्र म स्व हा ॥ ख न स ॥ उं श्री
 व न द्रा य स्व हा ॥ थ व न ॥ उं श्री व स व ली य स्व हा ॥ ज व स ॥ उं वि दि कु ल
 लि ना य स्व हा ॥ ख व का थूक नमः ॥ उं क लि मा लि न य स्व हा ॥ ख व थ थूक न
 ॥ उं म र द द्रा य स्व हा ॥ ज व थ थूक न ॥ उं व लं द्रा य स्व हा ॥ ज व का थूक न

ॐ नमो न० नमो वद्विचरु ॥ रुग्णवर्जितावसूया न० नमो नमो नमो ॥ अथ यत्रिष्ठ स्वा
 हा ॥ सर्वं यज्जयावका ॥ अनरैव कनैव सुति न० वसूया लासदा नवा ॥ नमो दा
 लुवका लनि ॥ सायनं यायिका वय लक्षि सिधिवडयडा ॥ इतमय सो नय नय क
 विस्मय मय स्वाहा ॥ निमज्ज काल स्वातवायक ॥ उतमा लवय पाय गरु वडि
 वरु नका नरु लरु रु दिवा नरु ॥ इवसू वाच वसू सि ॥ कि लिङां कि कलि
 पूरि कलि मस कार्य सिधिवलि स्वाहा ॥ ये वाय हा नपूजा ॥ सु की ॥ नमा सु

ॐ वहाद विसर्धमिदि यदायि नि ॥ नमा सु ॥ नका सी वसू वाच ॥ नमा सु ॥
 थनय्यक नवा स म वाह न रुदर ॥ श्रद्धा ॥ अरु न व नामा डिया स का रु उया सि
 का रु ॥ जाव विव ॥ इवसू वाच वरु ॥ सुमा द व म ॥ इय नारी ॥ सम ॥ र्वा व न
 ॥ सति रु ॥ वाय म् ॥ थव थव ॥ नामा नि थ इ न ॥ क व यो प ॥ उया सि क र्वा
 म् ॥ विव ॥ वरु न य म ल्या ॥ इवसू वाच वरु ॥ थव न य म ल्या ॥ इव न य म ल्या ॥
 थवा ॥ सुया द या रु न ॥ कथं द व म ॥ थ नि म य र्वा ॥ अरु म् ॥ स श व न ॥ क म स

या ॥ उदय ॥ शकाल ॥ यवनयुथा ॥ रुक्सा ॥ जिवन ॥ वरुलुय ॥ अहिता
चार्य ॥ विनदा नाविनजिर्ग ॥ जिन विंको ॥ स्याय सकव ॥ अताया विश्य सकव ॥ सव
या ॥ विविताय पय्य सकव ॥ आवकवाडा ॥ सिध्दादिति ॥ येशुत्त ॥ मारव ॥ ॐ
लवचन ॥ सकव ॥ दादवाद ॥ रुक्म ॥ अरव ॥ रुकावववन ॥ दादविन ॥ थलाता
लकुरुन ॥ लारुवापाद ॥ नाकिइ ॥ विंध्य ॥ यविवाजयि ॥ लारिश्य सकव ॥ स
दुयाविषय ॥ ययश्य ॥ सकव ॥ आवकुरुन ॥ नुदकर्म ॥ यथाइ ॥ दशकु वृ

विजयया ॥ थकिता ॥ कर्म ॥ ताता ॥ शुभा ॥ सुमि ॥ वरुथ ॥ यवनया ॥ अरोइ यात
नहिता ॥ लीजिया ॥ अहिंसा वाद्य ॥ थलादिन ॥ काय ॥ यवनयुदाथ ॥ रुका ॥ सव
सकव ॥ नमानाह ॥ दानसिल ॥ रुसा ॥ संहिवमि ॥ रुकसमावव ॥ वादातालि
श्य ॥ जीलवकश्य ॥ रुसाविश्य ॥ कलू ॥ आवकश्य ॥ निधयन ॥ थरुता
रु ॥ यमिइ ॥ नरक ॥ यरु ॥ किइ ॥ कय ॥ रुसाडि सुवक ॥ ॥ थयमि ॥ यवन
याया ॥ रुलन ॥ नयकस ॥ विवागोतिस ॥ यइगोतिस ॥ वनसमात ॥ ॐ

स्वाहा ३१ ॥ उँ आ य रं क ल स्वा हा ३८ ॥ उँ आ ऋ मा द्या क म जः ॥ व हा ४० ॥ अं शिं द्वि
 व क नि स्वा हा ३९ ॥ उँ आ य व स नि स्वा हा ४० ॥ उँ आ लि लि म स्वा हा ४१ ॥ उँ आ न
 म स्वा हा ४२ ॥ उँ आ वि र म स्वा हा ४३ ॥ उँ आ य र म स्वा हा ४४ ॥ उँ आ क व स्वा हा
 ४५ ॥ उँ आ र व स स्वा हा ४६ ॥ उँ आ क र स्वा हा ४७ ॥ उँ आ प य रु म स्वा हा ४८ ॥ उँ आ
 व र स्वा हा ४९ ॥ उँ आ न नि म स्वा हा ५० ॥ उँ आ न व स्वा हा ५१ ॥ उँ आ न व स्वा हा ५२ ॥ उँ आ
 न व स्वा हा ५३ ॥ उँ आ न व स्वा हा ५४ ॥ उँ आ न व स्वा हा ५५ ॥ उँ आ न व स्वा हा ५६ ॥ उँ आ न व स्वा हा ५७ ॥ उँ आ न व स्वा हा ५८ ॥ उँ आ न व स्वा हा ५९ ॥ उँ आ न व स्वा हा ६० ॥

स्वाहा ६१ ॥ उँ आ ऋ मा द्या क म जः ॥ व हा ६२ ॥ उँ आ क र स्वा हा ६३ ॥ उँ आ
 क र स्वा हा ६४ ॥ उँ आ क र स्वा हा ६५ ॥ उँ आ क र स्वा हा ६६ ॥ उँ आ क र स्वा हा ६७ ॥ उँ आ क र स्वा हा ६८ ॥ उँ आ क र स्वा हा ६९ ॥ उँ आ क र स्वा हा ७० ॥
 उँ आ क र स्वा हा ७१ ॥ उँ आ क र स्वा हा ७२ ॥ उँ आ क र स्वा हा ७३ ॥ उँ आ क र स्वा हा ७४ ॥ उँ आ क र स्वा हा ७५ ॥ उँ आ क र स्वा हा ७६ ॥ उँ आ क र स्वा हा ७७ ॥ उँ आ क र स्वा हा ७८ ॥ उँ आ क र स्वा हा ७९ ॥ उँ आ क र स्वा हा ८० ॥
 उँ आ क र स्वा हा ८१ ॥ उँ आ क र स्वा हा ८२ ॥ उँ आ क र स्वा हा ८३ ॥ उँ आ क र स्वा हा ८४ ॥ उँ आ क र स्वा हा ८५ ॥ उँ आ क र स्वा हा ८६ ॥ उँ आ क र स्वा हा ८७ ॥ उँ आ क र स्वा हा ८८ ॥ उँ आ क र स्वा हा ८९ ॥ उँ आ क र स्वा हा ९० ॥
 उँ आ क र स्वा हा ९१ ॥ उँ आ क र स्वा हा ९२ ॥ उँ आ क र स्वा हा ९३ ॥ उँ आ क र स्वा हा ९४ ॥ उँ आ क र स्वा हा ९५ ॥ उँ आ क र स्वा हा ९६ ॥ उँ आ क र स्वा हा ९७ ॥ उँ आ क र स्वा हा ९८ ॥ उँ आ क र स्वा हा ९९ ॥ उँ आ क र स्वा हा १०० ॥



[illegible]

॥ २३ ॥ नमो ब्रह्माय ॥ यन्मंगलं सा नमो ॥

5

10

15

20

0

5

07

5

[illegible][illegible]

१ न कवेया अद्ययाः सुनरसिनि २ कन २ यव २ हल २ हा २ जिं २ ३ २ उं का लं वे
 यव २ ४ ल २ द्विनी ५ धुल २ रुल २ मल २ लमि सुत सहु सुयु निर्म निर्ग सुन
 लं कोल २ रुव २ रगवन ३ ओम क्रम नि ग थ ग लार्थ मुलिको ४ रा ५ यिल क
 ६ य ७ ल कार्य ८ अद्यया य वृत्ता हा ॥ थु नि अद्यया य ९ ॥
 १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३०
 ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६०
 ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९०
 ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

१ न कवेया अद्ययाः सुनरसिनि २ कन २ यव २ हल २ हा २ जिं २ ३ २ उं का लं वे
 यव २ ४ ल २ द्विनी ५ धुल २ रुल २ मल २ लमि सुत सहु सुयु निर्म निर्ग सुन
 लं कोल २ रुव २ रगवन ३ ओम क्रम नि ग थ ग लार्थ मुलिको ४ रा ५ यिल क
 ६ य ७ ल कार्य ८ अद्यया य वृत्ता हा ॥ थु नि अद्यया य ९ ॥
 १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३०
 ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६०
 ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९०
 ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

शनागधनाशिः शनवयूगनागजमुखविनयनिगाद्यदवदवल नृणाधियनिगल
 ध्वनाश्मलिमुक्ता नत्ता रानन नननीकिलनसंकासा ॥ ६२ ॥ मानियाविद्यु रानि
 यादय्य मालियादूरवविनासंनश्मालियाना ना मानसंगुता मयनूवयद्वद्वना
 सनंन नयनसुवानां कुशवक्त्रवज्र शिलिवनददिनकनाश्म सुनधन
 धका लम् घयनक्रगिदाम ॥ ॥ विविगुवसे वीचैकालि सा जगाशगमलि
 मलिगा २ ल धाधिन लम्बायनसा रा यायनमिलि २ वा ॥ ॥
 नत्ता नधुग नत्ता द्वालिगा ॥ मुखि कमूरव अगिं सुन्दन २ विग्नगव ॥

मसुखदागा नमस्तु २ गनाधि धैगिना ध्रु ॥ ६३ ॥ शनाग कनति ४ उदित ३ व
 दाकमलासनवि ॥ नलिगयुदवनस्वरा २ निर्मल द्वा दय कानना
 मयनाथ ॥ दाहैरु रावनयदागा ॥ ॥ गुह्यदवशगंशगं गले २ ति
 रुवन द्यायिगा जगत् २ धानिया २ युनमा मिवरा मलाके शना ॥ ॥

पञ्चनवाश्रीचक्रावध्यासस्तोत्रम्

विबसमाथगतदङ्गवचकाडसुमादसकलमज्ञासिनाथध्वजनिविड
माकुदिसतलविक्कङ्गगताच

मलिका...

5

10

5

0

5

10

15

20

